# एटलिन जलविद्युत परियोजना

## प्रिलिम्स के लिये:

एटलिन जलविद्युत परियोजना, द्रि और टैंगन नदी, दिबांग नदी, वन सलाहकार समिति (FAC), पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (EIA), बाँधों, नदियों और लोगों पर दक्षिण एशिया नेटवर्क (SANDRP)।

## मेन्स के लिये:

द्रि और टैंगन नदी का महत्त्व, एटलिन जलविद्युत परियोजना की राह में कठिनाइयाँ।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में [एटलिन जलविद्युत परियोजना] को उसके वर्तमान स्थिति में रद्द कर दिया है।

- इस योजना ने सीमित भंडारण के साथ **टू रन-ऑफ-द-रिवर योजना** को जोड़ा, जिस हेतु **टैंगोन और द्रि** नदियों पर कंक्रीट गुरुत्वाकर्षण बाँधों की आवश्यकता थी।
- 2008 में अपनी स्थापना के बाद से ही यह [पारिस्थितिक क्षति], **वन अतिक्रमण और आदिवासी विस्थापन** जैसी चिंताओं के कारण विवादों में रहा।

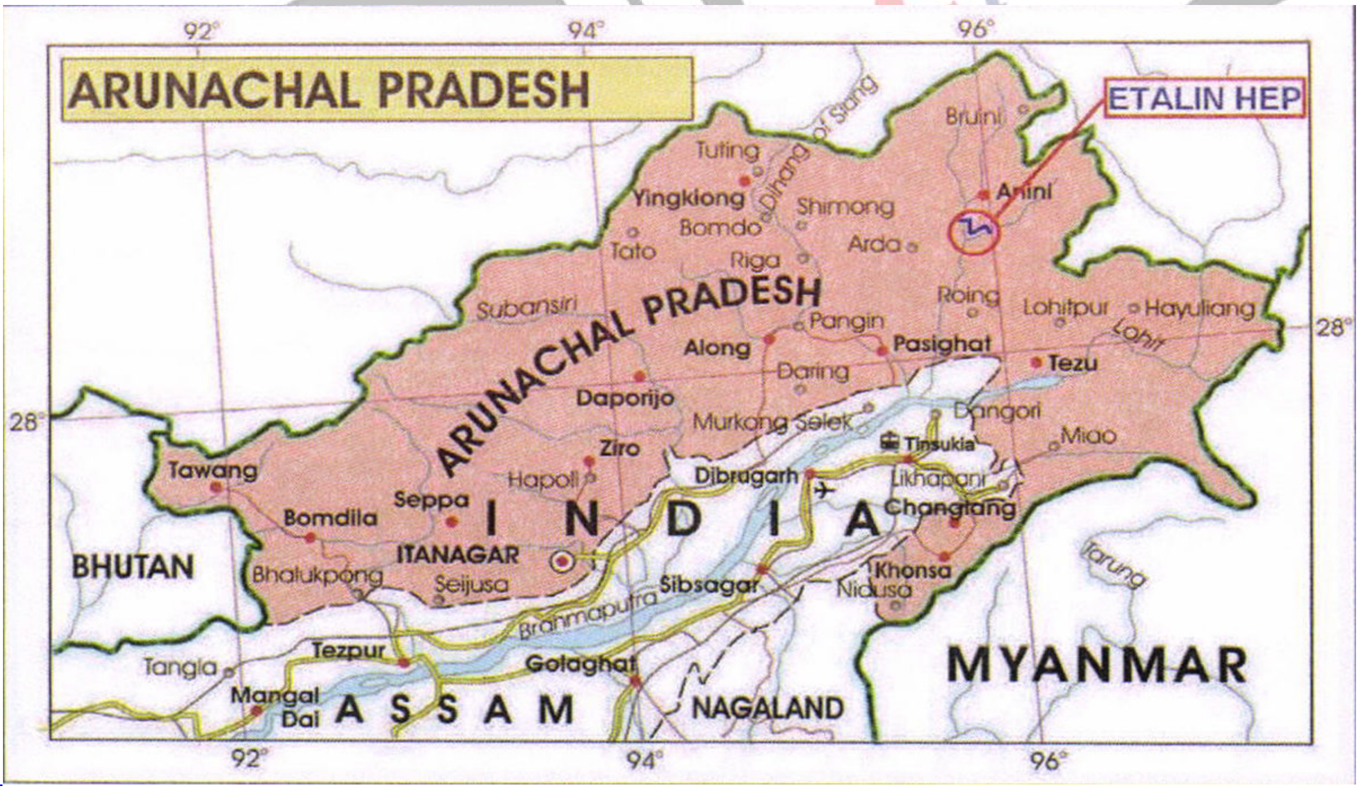


//

## द्रि और टैंगन नदी का महत्त्व:

- **अरुणाचल प्रदेश, भारत में [दिबांग नदी] (ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी)** की दोनों सहायक नदियों, [द्रि और टैंगन नदी] का निम्नलिखित महत्त्व है:

- **हाइड्रोलॉजिकल:** दोनों नदियाँ सिंचाई और जलविद्युत उत्पादन के लिये पानी उपलब्ध कराकर **क्षेत्र के समग्र जल विज्ञान** में योगदान करती हैं।
- **पारिस्थितिक:** दिरि और टैंगन नदियाँ दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों सहित विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों को जीवन प्रदान करती हैं।
- **पर्यटक आकर्षण:** दिबांग के साथ-साथ **दिरि और टैंगन नदियों का प्राकृतिक सौंदर्य** प्रमुख पर्यटन स्थल है।

## एटलिन जलविद्युत परियोजना के संदर्भ में चिंताएँ:

- **पर्यावरणीय प्रभाव:** इस परियोजना में दिबांग नदी पर एक बड़े **बाँध का निर्माण शामिल होगा, जो वन और वन्यजीव आवास के एक बड़े क्षेत्र को जलमग्न कर सकता है।**
  - इससे **स्थानीय समुदायों का विस्थापन** हो सकता है और क्षेत्र की जैवविविधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- **स्थानीय समुदायों का विस्थापन: यह परियोजना हज़ारों लोगों को उनके घरों और आजीविका से विस्थापित** करेगी, जिनमें से कई स्थानीय समुदाय हैं जो अपनी आजीविका के लिये दिबांग नदी पर निर्भर हैं।
- **नदी पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव:** परियोजना द्वारा नदी के प्राकृतिक प्रवाह को बदलने के कारण यह मछली के प्रवास और प्रजनन को प्रभावित करेगी।
  - इसका उन स्थानीय समुदायों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जो अपनी आजीविका के लिये मछली पकड़ने पर निर्भर हैं।
- **भूवैज्ञानिक और भूकंपीय जोखिम:** परियोजना के लिये **पर्यावरण मंज़ूरी (Environmental Clearance- EC)** दी जाने के दौरान द साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर एंड पीपल (SANDRP) ने वर्ष 2015 में **जैवविविधता के लिये भूवैज्ञानिक और भूकंपीय जोखिमों एवं खतरों पर प्रकाश डाला था।**
- **मुद्दे की हालिया स्थिति:** वन सलाहकार समिति ने अरुणाचल प्रदेश सरकार को **मूलभूत चीज़ों पर ध्यान देने** और परियोजना का पुन:अवलोकन कर योजना प्रस्तुत करने के लिये कहा है।

## वन सलाहकार समिति

- यह **'वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980** के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय है।
- FAC **'केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय' (Ministry of Environment, Forest and Climate Change-MOEF&CC) के अंतर्गत कार्य करती है।**
- यह समिति **गैर-वन उपयोगों जैसे-खनन, औद्योगिक परियोजनाओं आदि के लिये वन भूमि के प्रयोग की अनुमति देने** और सरकार को **वन मंज़ूरी के मुद्दे पर सलाह देने का कार्य करती है।**

## आगे की राह

- **समुदाय-आधारित दृष्टिकोण:** इस क्षेत्र की स्थानीय आबादी से संवाद स्थापित किया जाना चाहिये और यह सुनिश्चित करने के लिये **निर्णय लेने में उनकी भागीदारी होनी चाहिये** ताकि अंततः उनकी चिंताएँ भी प्रतिबिंबित हों।
- **पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों का सीमांकन:** जिन क्षेत्रों में जैवविविधता के नुकसान का खतरा है, **उन्हें ठीक से चिह्नित किया जाना चाहिये** ताकि उन्हें किसी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े।
- **पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (EIA):** स्थानीय पर्यावरण पर परियोजना के प्रभाव का उचित और पूर्ण मूल्यांकन कर व्यापक रूप से अध्ययन किया जाना चाहिये।

## UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न

**प्रश्न. टिहरी जलविद्युत परिसर निम्नलिखित में से किस नदी पर स्थित है? (2008)**

(a) अलकनंदा
(b) भागीरथी
(c) धौलीगंगा
(d) मंदाकिनी

**उत्तर: (b)**

---

**प्रश्न. तपोवन और विष्णुगढ़ जलविद्युत परियोजनाएँ कहाँ स्थित हैं? (2008)**

(a) मध्य प्रदेश
(b) उत्तर प्रदेश

(c) उत्तराखंड
(d) राजस्थान

**उत्तर: (c)**

## स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/etalin-hydroelectric-project-1